Department of A.I.H.C. & Archaeology

A.P.S. University Rewa (M.P.)

SYLLABUS

M.A

(C.B.C.S. Pattern)

A.I.H.C. & Archaeology

M.A Ancient Indian History, Culture & Archaeology

(C.B.C.S. Pattern)

Semester – I

1. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत
   Sources of Ancient Indian History
2. भारतीय प्रागैतिहास
   Indian Pre History
3. उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास – प्रथम
   Political History of North India – I
4. भारत की कला विरासत
   Art Heritage of India
5. मौखिकी परीक्षा
   Viva-Voce

Semester – II

1. उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास – द्वितीय
   Political History of North India – II
2. दक्षिण भारत का राजनैतिक इतिहास
   Political History of South India
3. भारत का आद्य इतिहास
   Proto History of India
4. मूर्तिकला एवं प्रतिमा विज्ञान के मूलतत्व
   Elements of Sculptures and Iconography
5. मौखिकी परीक्षा
   Viva-Voce

Semester – III

1. भारतीय मुद्रा ाास्त्र
   Indian Numismatics
2. भारतीय अभिलेख एवं लिपि ाास्त्र
   Indian Inscription and Scriptography
3. प्राचीन भारतीय धार्मिक परम्परायें
   Ancient Indian Religious Traditions
   OR
   प्राचीन भारतीय दा ार्निक परम्परायें
   Ancient Indian Philosophical Traditions
4. पुरातत्व की विधियॉ
   Methods of Archaeology
   OR
   पर्यावरणीय पुरातत्व
   Environmental Archaeology
5. मौखिकी परीक्षा
   Viva-Voce

Semester – IV

1. प्राचीन भारतीय राज्य एवं प्र ाासन
   Ancient Indian State and Administration
2. ऐतिहासिक पुरातत्व
   Historical Archaeology
3. क्षेत्रीय पुरातत्व एवं प्र ि ाक्षण

   OR

   मानव मूल्य

4. विन्ध्य की कला एवं पुरातत्व

   OR

   संरक्षण, परिरक्षण एवं तिथि निर्धारण विधियॉ

5. प्रायोगिक प्र ि ाक्षण (मौखिकी परीक्षा)
   Practical Training Viva-Voce
6. मौखिकी परीक्षा
   Viva-Voce

Department of A.I.H.C. & Archaeology

M.A. (A.I.H.C. & Archaeology) Scheme of Examination C.B.C.S. Pattern

Paper Code	Nomenclature	Type of Course	Theory Assessment		Internal Assessment		Total	Credit Points
			Max.	Min	Max.	Min.		
Semester-I								
101	Sources of Ancient Indian History	CC	60	24	40	14	100	4
102	Indian Pre History	CC	60	24	40	14	100	4
103	Political History of North India - I	CC	60	24	40	14	100	4
104	Art Heritage of India	GE	60	24	40	14	100	4
105	Viva-Voce	-	-	-	-	-	100	4
Semester-II								
201	Political History of North India - II	CC	60	24	40	14	100	4
202	Political History of South India	CC	60	24	40	14	100	4
203	Proto History of India	CC	60	24	40	14	100	4
204	Elements of Sculptures and Iconography	GE	60	24	40	14	100	4
205	Viva-Voce	-	-	-	-	-	100	4
Semester-III								
301	Indian Numismatics	CC	60	24	40	14	100	4
302	Indian Inscription and Scriptography	CC	60	24	40	14	100	4
303	Ancient Indian Religious Traditions OR Ancient Indian Philosophical Traditions	DCE	60	24	40	14	100	4
304	Methods of Archaeology OR Environmental Archaeology	GE	60	24	40	14	100	4
305	Viva-Voce	-	-	-	-	-	100	4
Semester-IV								
401	Ancient Indian State and Administration	CC	60	24	40	14	100	4
402	Historical Archaeology	CC	60	24	40	14	100	4
403	Field Archaeology & Training OR Human Values	DCE	60	24	40	14	100	4
404	Art and Archaeology of Vindhyas OR Conservation, Preservation and Dating Techniques	GE	60	24	40	14	100	4
405	Viva-Voce	-	-	-	-	-	100	4
406	Project Report and Practical (Viva-Voce)	-	-	-	-	-	100	8

CC – Core Course, GE – Generic Elective, DCE – Discipline Centric Elective

Semester – I

Paper – I

Ikkphu Hkkjrh; bfrgkl d: Ikzr

उद्दे य– इस प्र नपत्र का उद्दे य प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोतो से विद्यार्थी को परिचित कराते हुए ब्राम्हणेत्तर साहित्य, लौकिक साहित्य, पुरातात्विक स्रोत एवं विदे ी यात्रियों के विवरण से विद्यार्थियों को परिचित करायेंगे।

इकाई – प्रथम – अध्ययन के स्रोत –

- साहित्यिक स्रोत – वैदिक साहित्य, संहितायें
  - ब्राम्हण साहित्य – भातपथ एवं ऐतरेय ब्राम्हण
  - आरण्यक एवं उपनिशद साहित्य
  - सूत्र साहित्य एवं महाकाव्य (रामायण, महाभारत)
  - पुराण

इकाई – द्वितीय – ब्राम्हणेत्तर साहित्य

- बौद्ध साहित्य – विपिटक, महावं ा, दीपवं ा, जातक ग्रंथ
- जैन साहित्य – भगवती सूत्र, भद्रबाहुचरित, आचरांगसूत्र

इकाई – तृतीय – लौकिक साहित्य

- कौटिल्य का अर्थ ाास्त्र, पाणिनी की अश्टाध्यायी, पतंजलि का महाभाश्य, मनुस्मृति, हर्शचरित, राजतरंगिणी

इकाई – चतुर्थ – पुरातात्विक स्रोत –

- अभिलेख एवं स्रोत के रूप में उनकी महत्ता
- मुद्राये – आर्थिक, धार्मिक एवं राजनीतिक स्रोत के रूप में मुद्राये
- स्थापत्य एवं मूर्ति
- मृदृभाण्ड एवं उत्खनन से प्राप्त सामग्री

इकाई – पंचम – विदे ी यात्रियों के विवरण

- मेगस्थनीज, फाह्यान, व्हेनसांग, इत्सिंग

Paper – II

Indian Pre-History

डद्वे य–

इकाई – प्रथम

मानव का उद्भव एवं विकास

प्राणियों की उत्पत्ति सम्बन्धी प्रमुख मत, मानव का उद्भव, प्रारभिक मानव प्रजातियॉ, आस्ट्रेलोपिथेकस, होमो एरेक्टस, होमो सेपियन्स निअण्डर्थलेसिन्स, होमो सेपियन्स, होमो सेनियन्स की संस्कृति।

इकाई – द्वितीय

प्रागैतिहासिक संस्कृति एवं उसका वर्गीकरण

निम्नपुरा पाशाणकाल, मध्यपुरा पाशाण काल, उच्च पुरा पाशाण काल प्रसार, कालक्रम,

मध्यपाशाण काल प्रसार, उपकरण–प्रकार, संस्कृति, कालक्रम,

नवपाशाण काल प्रसार, संस्कृति, कालक्रम

इकाई – तृतीय

पाशाणकालीन उपकरण, पेबुल उपकरण सोहन संस्कृति, मद्रासियन संस्कृति हैण्डएक्स, क्लीवर, स्क्रैपर, ब्लेंड एवं अन्य उपकरण प्रकार एवं निर्माण तकनीक (प्रविधि)

इकाई – चतुर्थ

भारतीय भौलचित्र कला का इतिहास, मध्य भारत के प्रागैतिहासिक भौलचित्र पुरास्थल – भीम बैठका, आदमगढ़, कसौटिया (भोपाल), पचमढ़ी, विन्ध्य क्षेत्र के भौलचित्र पुरास्थल – मिर्जापुर, गड्डी, देऊर कोठार, खन्डो, मझगवॉ एवं धारकुण्डी, रंग–संयोजन, चित्रण भौली विशय वस्तु एवं अन्य का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई – पंचम

भारत की बृहत्याशाणिक समाधियॉ अर्थ एवं महत्व

भारतीय बृहत्याशाणिक संस्कृतियों का वर्गीकरण – दक्षिण भारत की बृहत्याशाणिक समाधियॉ, उत्तर भारत की बृहत्याशाणिक समाधियॉ, विन्ध्य की बृहत्याशाणिक समाधियॉ, प्रकार, वि ोशताएँ, कालानुक्रम एवं निर्माता

Paper – III

Political History of North India

उत्तर भारत का राजनैतिक इतिहास

इकाई – प्रथम

राजपूतों की उत्पत्ति – विविध सिद्धान्त

गुर्जर प्रतिहार – नागभट्ट द्वितीय मिहिर भोज

इकाई – द्वितीय

पाल वं ा – धर्मपाल, देवपाल, – उपलब्धियॉ

त्रिरोणात्मक संघर्श

इकाई – तृतीय

कलचुरि राजवं ा – गांगेयदेव,लक्ष्मीकर्ण

चंदेल वं ा – य ाोवर्धन, धंग, विद्याधर की उपलब्धियॉ

इकाई – चतुर्थ

परमार राजवं ा – वाकपतिराज मुंज, सिन्धुराज, भोजराज

ग्वालियर के कच्छपात – सामान्य परिचय व द्वगकुण्ड भााखा

इकाई – पंचम

गहड.वाल राजवं ा – गोविन्दचन्द्र, विजयचन्द्र, जयचन्द्र

चौहान/चाह्यान राजवं ा – विग्रहराज चतुर्थ, पृथ्वीराज तृतीय

Paper – IV

Art Heritage of India

Hkkjrh; dyk fojklr

उद्वे य– इस प्र नपत्र का उद्वे य विद्यार्थी को प्राचीन भारतीय कलाओं यथा – नगर नियोजन तथा गुहा एवं मंदिर स्थापत्य की विविध भौलियों एवं उनके महत्व से परिचित कराना है।

इकाई – प्रथम

सैंधव स्थापत्य : नगर योजना, अन्नागार, जलकुण्ड, लोथल की गोदी एवं सैंधव स्थापत्य की प्रमुख वि ोशतायें

इकाई – द्वितीय

(1) स्तूप एवं गुहा स्थापत्य : स्तूप की उत्पत्ति, प्रकार व विकास, भरहुत, सॉची व अमरावती

(2) गुहा स्थापत्य : गुहा स्थापत्य का विकास, भाजा के चैन्य एवं विहार, कार्ले, चैन्य एवं विहार

इकाई – तृतीय

(1) मंदिर स्थापत्य : उद्भव, गुप्तकालीन मंदिर, स्थापत्य की वि ोशतायें – भूमरा का ि ाव मंदिर, बेला का बैजनाथ मंदिर

नचना कोठार कां पार्वती मंदिर, देवगढ़ का द ाावतार मंदिर

(2) मंदिर निर्माण की विविध भौलियॉ : नागर, वेसर, भूमिज, द्रविड, पल्लवरथ

इकाई – चतुर्थ

(1) कल्चुरि मंदिर : लिलहा का ि ाव मंदिर एवं सोहागपुर का विराटे वर मंदिर

(2) चंदेल मंदिर : खजुराहों का चंदेल मंदिर स्थापत्य एवं वि ोशताऐं

इकाई – पंचम

(1) उड़ीसा मंदिरों की वि ोशतायें, कोणार्क का सूर्य मंदिर एवं लिंगराज मंदिर

(2) चोल स्थापत्य – तजौर का वृहदे वर मंदिर

Paper – V

Viva-Voce

Semester - II

Paper – I

Political History of North India- II

उत्तर भारत का राजनैतिक इतिहास – द्वितीय

इकाई – प्रथम

संगम युग – साहित्य एवं प्र ाासनं

इकाई – द्वितीय

गुप्त साम्राज्य – उत्पत्ति, चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त, विक्रमादित्य, कुमार गुप्त, स्कन्दगुप्त

इकाई – तृतीय

गुप्त वाकाटक सम्बन्ध, परवर्ती गुप्तख गुप्तों के पतन के कारण

इकाई – चतुर्थ

पल्लव वं ा – महेन्द्र वर्मन प्रथम, नरहिंवर्मन प्रथम

मौखरी – ई ाान वर्मा

इकाई – पंचम

चालुक्य – पुलके ाीन द्वितीय

वर्धन वं ा – हर्शबर्धन

Paper – II

Political History of South India

दक्षिण भारत का राजनैतिक इतिहास

इकाई – प्रथम

दक्षिण भारत की राजनैतिक स्थिति एवं प्रमुख राजवं ां

इकाई – द्वितीय

चालुक्य – वेगी के चालुक्य – विजयादित्य तृतीय, कल्याणी के चालुक्य, सोमे वर प्रथम, विक्रमादित्य ाश्ठम्

इकाई – तृतीय

चोल राजवं ा – राजराज प्रथम, राजेन्द्र प्रथम, चोल–चालुक्य संघर्श, चोल प्र ाासन

इकाई – चतुर्थ

चौहान राजवं ा – विग्रहराज चतुर्थ, पृथ्वीराज तृतीय

इकाई – पंचम

गाहड़वाल राजवं ा – जयचन्द्र, गोविन्दचन्द्र, विजय चन्द्र

Paper – III

Proto History of India

भारत का आद्यैतिहास

उद्वे य–

इकाई – प्रथम

आद्यैतिहासिक सस्कृति का उद्भव एवं विकास

– भारत के प्राक् हड़प्पा कालीन कृशक समुदाय

– हड़प्पा नगर सभ्यता, उत्पत्ति, विस्तार, मुख्य वि ोशताएँ, कालानुक्रम, विघटन (पतन)

– परवर्ती हड़प्पा संस्कृति

इकाई – द्वितीय

उत्तर भारत की ताम्रपाशाणिक संस्कृतियॉ

– कामथा

– मालवा

– अहार

– जोर्वे

– उत्पत्ति, विस्तार, क्षेत्र, मुख्य वि ोशताएँ, कालानुक्रम

इकाई – तृतीय

मृदभांड संस्कृति भारत के संदर्भ में।

– गैरिक मृदभांड पात्र परम्परा

– कृश्ण लोहित पात्र परम्परा

– चित्रित धूसर पात्र परम्परा

– उत्तरी काली चमकीली पात्र परम्परा।

इकाई – चतुर्थ

ताम्रनिधियॉ

– भारतीय पुरातत्व में ताम्रनिधियों का स्थान

– ताम्रनिधियों का प्रसार

– उपकरण–प्रकार, निर्माता, कालक्रम

इकाई – पंचम

प्राचीन भारत में लौह काल

– भारत में लोहे की प्राचीनता – साहित्यिक एवं पुरातात्विक साक्ष्य

– भारत में लौह युगीन संस्कृतियों का पुरातात्विक आधार
उत्तरी भारत, पूर्वा भारत, मध्यभारत, दक्षिण भारत

– लौह तकनीक का महत्व

Paper – IV

मूर्तिकला एवं प्रतिमा विज्ञान के मूलतत्व
Elements of Sculptures and Iconography

Paper – V

मौखिकी परीक्षा
Viva - Voce

Semester – III

Paper - I

भारतीय मुद्रा ाास्त्र
Indian Numismatics

डद्वे य– इस प्र नपत्र का उद्दे य विद्यार्थी को मुद्रा की उत्पत्ति एवं विकास को बताते हुए आहत मुद्राओं, जनपदीय एवं गणराज्यीय मुद्राओं का परिचय कराते हुए भारतीय यूनानी, कुशाण – गुप्त राजाओं के सिक्कों के साथ पूर्व मध्यकालीन मुद्राओं का परिचय बताकर मुद्रा व्यवस्था में हम मुद्रा के उत्पत्ति के पूर्व की स्थितियों का भी वर्णन व अध्ययन करेंगे।

इकाई – प्रथम

- वस्तु विनमय का सिद्धान्त
- बाजार प्रणाली
- मुद्रा के रूप में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियॉ यथा – कौड़ी एवं गाय
- मुद्रा के उत्पत्ति के विभिन्न सि़द्धान्त एवं प्राचीनता
- भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में मुद्रायें

इकाई – द्वितीय

- आहत मुद्रायें निर्माण की विधियॉ
- आहत मुद्राओं पर मिलने वाले प्रतीक एवं तिथिक्रम
- स्थानीय एवं जनपदीय मुद्रायें
- पांचाल, कौ ाम्बी एवं मथुरा
- गणराज्यों की मुद्रायें – मालव, यौधेय

इकाई – तृतीय

- हिन्द यवन राजाओं की मुद्रायें – डेमेट्रियस एवं मिनाण्डर
- कुशाण राजाओं के सिक्के – कनिश्क एवं हुविश्क के मुद्रा प्रकारों एवं वि ोशताओं का अध्ययन

इकाई – चतुर्थ

- गुप्त राजाओं के सिक्के – चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय के स्वर्ण एवं रजत सिक्के, कुमार गुप्त एवं स्कंदगुप्त की मुद्रायें

इकाई – पंचम

- पूर्वमध्यकालीन राजाओं के सिक्के – प्रतिहार, कल्चुरी, चन्देल एवं परमार राजाओं के सिक्के

Paper - II

भारतीय अभिलेख एवं लिपि ाास्त्र
Indian Inscription and Scriptography

उद्दे य– इस प्र नपत्र का उद्दे य विद्यार्थी को भारत में लेखनकला का उद्भव और विकास के साथ–साथ ब्राम्ही और खरोश्ठी लिपियों का संक्षिप्त परिचय कराते हुए अंतर बताना है। साथ ही लेखन कला की सामग्रियों एवं तिथियों का वर्णन करते हुए स्रोत के रूप में अभिलेखों की महत्ता तथा विभिन्न काल/राजवं ा के अभिलेखों में मिलने वाली सामग्री का वि लेशण करते हुए इतिहास लेखन में उनकी भूमिका उजागर करना है।

इकाई – प्रथम

- लेखन कला का उद्भव, विकास और प्राचीनता
- ब्राम्ही लिपि की उत्पत्ति एवं विकास
- खरोश्ठी लिपि का संक्षिप्त परिचय

इकाई – द्वितीय

- लेखन में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियॉ यथा – ताड़पत्र, भुर्जपत्र, पाशाण एवं धातुयें
- तिथियॉ
- अ ाोक कालीन ब्राम्ही लिपि का परिचय एवं लिप्यान्तरण
- स्रोत के रूप में अभिलेख

इकाई – तृतीय

निम्न अभिलेखों का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन

- अ ाोक के द्वितीय एवं त्रयोद ा ि ालालेख तथा सप्तम स्तंभ लेख
- हेलियोडोरस का बेसनगर गुरूड़ स्तंभ
- खारवेल का हाथी गुहा अभिलेख
- रूद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख

इकाई – चतुर्थ

निम्न अभिलेखों का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व

- समुद्रगुप्त का प्रयाग (इला.) स्तंभ लेख
- चन्द्र का मेहरौली लेख
- स्कंदगुप्त का भितरी अभिलेख

इकाई – पंचम

- पुलिकेि ान द्वितीय ऐहोल अभिलेख
- चन्देल भाासक य ाोवर्मन एवं धंग का खजुराहो अभिलेख
- रीवा के अभिलेख – सुपिया अभिलेख, नरसिंह का अल्लाघाट अभिलेख, कर्ण का रीवा अभिलेख

Paper - III

प्राचीन भारतीय धार्मिक परम्परायें
Ancient Indian Religious Traditions

उद्दे य– भारत धर्म प्रधान दे ा है। विभिन्न धर्मो का अस्तित्व यहॉ मिलता है, इसीलिए उन धर्मो के विकास की परम्पराओं, विभिन्न धर्मो के प्रमुत्व, वैदिक धर्म, ब्राह्मण धर्म, बौद्ध एवं जैन धर्म (आस्तिक एवं नास्तिक धर्म) के अध्ययन से हम विद्यार्थी को उनके महत्व से परिचित कर सकेंगे।

इकाई – प्रथम

- वैदिक एवं उत्तर वैदिक काल – प्रकृति पूजा, पंथ, त्याग
- औपनिशदिक द ान का उद्भव

इकाई – द्वितीय

- वैदिक धर्म का ब्राम्हणिक धर्म में परिवर्तन
- ि ाव – रूद्र ि ाव, लिंग पूजा एवं भौव सम्प्रदाय – पा ाुपत, कापालिक कालामुख
- वैश्णव – नारायण, वासुदेव एवं द ाावतार
- भााक्त धर्म – भाक्ति पूजा, महिशमर्दिनी, सरस्वती एवं सप्त मातृकायें
- सौर एवं गाणपत्य सम्प्रदाय

इकाई – तृतीय

- बौद्ध धर्म का उद्भव एवं विकास
- प्रमुख ि ाक्षायें – चार आर्यसत्य, अश्टांगिक मार्ग एवं प्रतीत्यसमुत्पाद
- बौद्ध धर्म के सम्प्रदाय – हीनयान, महायान
- बौद्ध धर्म के पतन के कारण

इकाई – चतुर्थ

- जैन धर्म का उद्भव एवं विकास, तीर्थंकर परम्परा
- जैन धर्म की प्रमुख ि ाक्षायें – चार्तुयाग, पंचमहाव्रत
- जैन धर्म के सम्प्रदाय – भवेताम्बर, दिगम्बर

इकाई – पंचम

- यक्ष एवं नाग
- वृक्ष एवं प ाु पूजा
- मातृदेवी एवं तंत्रवाद

OR

Paper - III

प्राचीन भारतीय दा ार्निक परम्परायें
Ancient Indian Philosphical Traditions

Paper - IV

पुरातत्व की विधियॉ

Methods of Archaeology

OR

पर्यावरणीय पुरातत्व

Environmental Archaeology

उद्वे य–

इकाई – प्रथम

पुरातत्व के क्षेत्र में विकसित नवीन प्रवृत्तियॉ

पुरातत्व की परिभाशा, अध्ययन, क्षेत्र, पुरातत्व का मानविकी तथा प्राकृतिक विज्ञान से सम्बन्ध, भारतीय पुरातत्व का इतिहास, भारतीय पुराव ोश अधिनियम

इकाई – द्वितीय

पुरातत्व की विधियॉ, पुरातात्विक स्थल, पुराव ोश उद्योग, साईट निर्माण प्रक्रिया, स्तरीकरण (स्ट्रैटिग्राफी), पर्यावरण तथ्य, असेंबल (कलाकृतियॉ), संस्कृति, सांस्कृतिक विकास

इकाई – तृतीय

पुरातत्व के अध्ययन की विभिन्न भााखाएॅ

जातीय पुरातत्व (एथनो पुरातत्व), निपटान पुरातत्व और स्थानिक वि लेशण, बचाव पुरातत्व, पर्यावरण पुरातत्व, औद्योगिक पुरातत्व, प्रायोगिक पुरातत्व, प्रतीकात्मक पुरातत्व, समुद्री पुरातत्व

इकाई – चतुर्थ

पुरातत्व में अन्वेशण का तात्पर्य, पुरातात्विक स्थल या टीले की पहचान करना, क्षेत्र भ्रमण और सर्वे, अन्वेशण की प्रमुख विधियॉ, हवाई अवलोकन, भू–परीक्षण, लौह– ालाका, भाब्द ध्वनि, आकस्मिक खोज, नमूना लेने की तकनीक, मिट्टी का नमूना, पर्यावरण तथ्य, धातु–अभिज्ञापक, विद्युत प्रतिरोधमापक, चुम्बक मापक, सागर तल सर्वेक्षण, चित्र विधा।

इकाई – पंचम

उत्खनन विन्यास, उत्खनन विधियॉ, उत्खनन संसाधन, उत्खनन की रिपोर्ट, पुरास्थलों और पुरा सामग्रियों का सरंक्षण एवं परीरक्षण, पुरातात्विक छायांकन की विभिन्न विधियॉ एवं उपकरण।

पर्यावरणीय पुरातत्व
Environmental Archaeology

उद्दे य–

इकाई – प्रथम

– पर्यावरण पुरातत्व की परिभाशाएॅ
– पर्यावरण पुरातत्व का वर्तमान समय पर पुरातत्व में उपयोगिता
– जानवरों की हड्डियों का अध्ययन।

इकाई – द्वितीय

पर्यावरण परिवर्तन के प्रमुख कारण

– प्रातिनूतन कालीन पर्यावरण

इकाई – तृतीय

जीव जन्तु एवं वनस्पति विज्ञान के जीवा मों का सामान्य अध्ययन

– जीवा म व निर्माण प्रक्रिया
– मानव और गैर–मानव कठोर ऊतक में पौधे के अव ोश एवं बायोमार्कर (बायो चिन्ह)

इकाई – चतुर्थ

मानव अव ोश का वि लेशण

– मानव के पुराकाल में पौधे और प ुओं की सामान्य जानकारी
– उडी विजुअलाइजे ान, इमेज एनालिसिस, मैटेरियल्स इन्वेस्टिगें ान

इकाई – पंचम

पर्यावरण से मानव जीवन में क्रमबद्ध प्रभाव

– होलोर्सान का पर्यावरणीय पृश्ठभूमि
– पर्यावरण हलचल और मानव जीवन में विभिन्न परिवर्तन।

Paper - V
मौखिकी परीक्षा
Viva-Voce

Semester – IV

Paper - I

प्राचीन भारतीय राज्य एवं प्र ाासन
Ancient Indian State and Administration

उद्दे य– इस प्र नपत्र का उद्दे य विद्यार्थी को राज्य एवं राजा की अवधारणा, उनके विविध प्रकार, राजतंत्रात्मक एवं गणतंत्रात्म व्यवस्था, मंत्रिपरिशद, सप्तांग सिद्धान्त तथा विविध कालो के प्र ाासन से अवगत कराना है। जिससे विद्यार्थी प्राचीन व्यवस्थाओं के अनुक्रम में भावी प्र ाासनिक स्थितियों का आंकलन कर सकें।

इकाई – प्रथम

– प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति, प्रकार
– राज्य का स्वरूप, उद्दे य और कार्य
– राजतंत्रात्मक राज्य एवं गणतंत्रात्मक राज्य

इकाई – द्वितीय

– राजा की उत्पत्ति एवं विविध सिद्धान्त
– राज्याभिशेक, राजा का देवत्व
– मंत्रिपरिशद, सप्तांग सिद्धान्त

इकाई – तृतीय

– ग्राम प्र ाासन, नगर प्र ाासन तथा न्याय पद्यति, कूटनीति।

इकाई – चतुर्थ

– वैदिक काल से मौर्य काल तक राज्य भाासन का सर्वेक्ष्रण।
– राज्य भाासन का ऐतिहासिक सर्वेक्षण
– मौर्योन्तर काल

इकाई – पंचम

– मौर्य प्र ाासन, गुप्त प्र ाासन, हर्श का प्र ाासन, चोल का प्र ाासन

Paper - II

ऐतिहासिक पुरातत्व
Historical Archaeology

उद्दे य–

इकाई – प्रथम

ऐतिहासिक पुरातत्व की अवधारणा एवं परिभाशा

- भारत में ऐतिहासिक पुरातत्व का विकास
- ऐतिहासिक पुरातत्व के लिखित साक्ष्य
- साहित्यिक एवं अभिलेखीय साक्ष्य
- उत्खनन और सर्वेक्षण

इकाई – द्वितीय

- भौतिक संस्कृति
- संरचनात्मक साक्ष्य – मृदभांड, मृण्यमूर्तियॉ, सिक्के, सजावटी आभूशण
- दैनिक जीवन की वस्तुयें
- विभिन्न प्रकार की उत्पादन प्रणाली से संबंधित वस्तु

इकाई – तृतीय

- भारत में ऐतिहासिक कालों का उद्‌भव एवं विकास
- क्षेत्रीय संभावनायें
- भारत में द्वितीय नगरीकरण की प्रक्रिया और राज्यों का गठन
- ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृश्टिकोण

इकाई – चतुर्थ

- सम्पूर्ण भारत में प्रारंभिक ऐतिहासिक काल में पुरातत्व का अध्ययन (600 BCE to 4th Century CE)
- उत्तरी पि चमी भारत – गंगा यमुना का दोआब क्षेत्र
- पि चमी भारत – गुजरात और राजस्थान
- मध्य भारत और दकन क्षेत्र
- दक्षिणी भारत – कृश्णा नदी घाटी

इकाई – पंचम

महत्वपूर्ण पुरास्थल

- लक्षि ाला, द्वारिका, नोह, हस्तिनापुर, अतरंजीखेड़ा, अहिच्छत, राजघाट, माहे वर, बेसनगर

Paper - III

क्षेत्रीय पुरातत्व एवं प्र ाक्षण

OR

मानव मूल्य

उद्दे य–

इकाई – प्रथम

- क्षेत्रीय पुरातत्व की परिभाशा, उद्दे य एवं विशय क्षेत्र
- पुरातात्विक अन्वेशण का उद्दे य
- पुरातात्विक स्थलों के अन्वेशण की विधियॉ, परम्परागत तथा वैज्ञानिक विधियॉ
- अन्वेशक दल एवं साज–समान

इकाई – द्वितीय

- पुरातात्विक उत्खनन
- स्तरीकरण, उत्खनन के उद्दे य, उत्खनन पद्यति का विकास, मापन पद्यति, उत्खनन के आव यक उपकरण तथा औजार
- उत्खनन की विधियॉ, लम्बवत (ौर्शिक) तथा क्षैतिज
- रिकार्डिंग और उत्खनन स्थल के मानचित्र, उपकरणों तथा पात्रों का रेखाचित्र
- विभिन्न प्रकार की उत्पादन प्रणाली से संबंधित वस्तु

इकाई – तृतीय

- उत्खनन वि लेशण
- उत्खनन से प्राप्त वस्तुओं का वर्गीकरण तथा उनका अध्ययन
- छायांकन तथा उत्खनन के प्रतिवेदन का प्रका ान
- उत्खनन से प्राप्त वस्तुओं का सामाजिक तथा आर्थिक इतिहास के पुर्ननिर्माण में योगदान

इकाई – चतुर्थ

- उत्खनित पुरास्थलों की संक्षिप्त रिपोर्ट
- भीम बैठका, मैहर, पटपरा, खैराडीह, डिडवाना, नागार्जुनी कोण्डा, कायथा, इनामगॉव

इकाई – पंचम

पुरातात्विक प्र ाक्षण

- स्तरीकरण की पहचान, उपकरणों की पहचान, मूर्तियों की पहचान, मंदिर भौलियों की पहचान
- उत्खनित स्थलों का भौक्षिक भ्रमण
- खन्ती (ट्रेंच) बनाने की विधियों का प्र ाक्षण

मानव मूल्य

Human Values

उद्देश्य& भारतीय संस्कृति अपनी विशेषताओं के कारण विश्व की अन्य संस्कृतियों से श्रेश्ठ है, जिसमें मानव मूल्यों की प्रधानता है। आज विभिन्न कारणों यथा – पारिवारिक विघटन, औद्योगिकीकरण, नगरो की ओर पलायन के कारण प्राचीन मूल्यों का ह्रास हो रहा है। इसका प्रमुख कारण नवीन मूल्यों का समावेश भी है। इस कारण वैश्विक परिदृश्य में हमारी पहचान धंधली पड़ती जा रही है, जिसकी गरिमा को बनाये रखने के लिये मानव मूल्यों से सम्बन्धित संस्थाओं के विशय में छात्रों को परिचित कराया जाना। इस उद्देश्य की पूर्ति को दृश्टिगत को ध्यान में रख कर इस प्रश्न पत्र की संरचना की गयी है। जिसमें अतीत के चिन्तकों के विचारों से पाठक को परिचित करा सकें।

Objectives – Our Indian Culture have an excellent characteristics and features hence it was superior than other culture. The main characteristics of our culture is assimilation and predominance of human values, but modern time we are loosing the values due to disruption of family, industrialization. urbanization and modernization. One more thing is also important that inclusion of modern values in the society our identity is going to be shaded in the global prospective. To maintain the glory of Indian culture it is our planning to introduce this paper for the awareness of students and also highlights the thoughts of our grate thinkers.

इकाई – 1 मानव मूल्य – अवधारणा, अर्थ एवं परिभाशाऐं।

मानव मूल्य संबंधी भारतीय चिन्तन एवं संस्थाऐं – आश्रम व्यवस्था एवं पुरूशार्थ।

इकाई – 2 सभ्यता एवं संस्कृति, परिभाशाऐं, सांस्कृतिक तत्व, भारतीय संस्कृति की विशिश्टताऐं – वैदिक, मौर्य, गुप्त एवं पूर्व मध्यकालीन संस्कृति।

इकाई – 3 ब्राह्मण परम्परा में मानव मूल्य – त्रि–ऋण, पंचमहायज्ञ, उपनयन, एवं दीक्षा पर्व में मानव मूल्य।

इकाई – 4 श्रमण परम्परा में मानव मूल्य

(I) बौद्ध एवं जैन परम्परा में त्रि–रत्न

(II) महावीर का पंच महाव्रत।

(III) बुद्ध का चार आर्य सत्य, अश्टांगिक मार्ग

इकाई – 5 मानव मूल्य का आरम्भ, संवहन एवं संवर्धन में संस्थाओं का योगदान

(I) परिवार

(II) ि ाक्षा एवं ि ाक्षा केन्द्र

Unit-I Human values – Concept, Meaning and Definitions, Indian Thaughts and Institutions – Ashram System and Purusharth.

Unit – II Civilization and culture, Definition, Cultural Elements, Characteristics features of Indian culture, Vedic, Mauryan, Gupta and Early medival period.

Unit – III Human values in Brahmana Tradition – Tri-Rina, Panchmahayagaya, Values in Upnayan and Diksha Parva.

Unit – IV Human values in Shramana Traditions

(I) Three jewels in Jainism and Buddhism.
(II) Panchmahavrata of Mahaveer.
(III) Four noble Truth and Eight fold path of Buddhism

Unit – V Role of Institutions in the inception, Convection and Augmentation of Human Values.

(I) Family
(II) Education and Educational Institutions.

पुस्तकें –

1. सिंह, चन्द्रदेव – प्राचीन भारतीय एवं चिन्तन
2. मिश्र, जय ांकर – प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास
3. काणे, पाण्डुरंग वामन – (अनु. अर्जुन चौबे क यप) – धर्म भाास्त्र का इतिहास
4. अग्रवाल, वासुदेव भारण – भारत की मौलिक एकता
5. वेदालंकार, हरिदत्त – हिन्दू परिकर सीमांकन
6. उपाध्याय, रामजी – प्राचीन भारतीय परिदृ य की सांस्कृतिक भूमिका
7. गोपाल, लल्लन जी एवं यादव, बी.एन.एस – भारतीय संस्कृति
8. जैन, जगदी ा चन्द्र – जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज
9. श्रीवास्तव, महे ाचन्द्र – जैन धर्म एवं द ान
10. Altekar, A.S. – Education in Ancient India
11. Ayanger, K.B. Rangaswami – Some Anspects of Hindu view of life according of Hindu Dharmsashtra
12. Ayganger, Sin P.S. – Education of Hindu Moral Idieas.

Paper - IV

विन्ध्य की कला एवं पुरातत्व

OR

संरक्षण, परिरक्षण एवं तिथि निर्धारण विधियॉ

उद्दे य–

इकाई – प्रथम

- विन्ध्य क्षेत्र का भौगोलिक परिचय
- पर्वत श्रृंखला, नदियॉ, वनस्पति, मिट्टी
- प J–पक्षी

इकाई – द्वितीय

- विन्ध्य की प्रागैतिहासिक संस्कृतियॉ एवं प्रमुख स्थल
- पुरापाशाण काल, मध्य पाशाण काल, नवपाशाण काल
- विन्ध्य क्षेत्र की वृहत्पाशाणिक समाधियॉ

इकाई – तृतीय

विन्ध्य क्षेत्र में बौद्ध धर्म एवं कला केन्द्र

- देउर कोठार, भरहुत, मानपुर, बौद्धाडाल, गुर्गी

इकाई – चतुर्थ

विन्ध्य क्षेत्र में मंदिर स्थापत्य का इतिहास

- मंदिर स्थापत्य के पुरास्थल – भुमरा, नचना, बेला, खजुहा, चन्द्रेह, विरोटे वर, डूडीगढ़ी

इकाई – पंचम

विन्ध्य क्षेत्र के प्रमुख पुरातात्विक स्थल

- मैहर, सिहावल, पटपरा, बागोर, गड्डी, खंदो, धारकुण्डी, माछी–बीछी

संरक्षण, परिरक्षण एवं तिथि निर्धारण विधियॉ

उद्वे य–

इकाई – प्रथम

पुराव ोशों का परिचय – परिरक्षण का महत्व एवं सिद्धान्त, भारत में पुरातात्विक संरक्षण का इतिहास, साधारण नियम और विधियॉ

किसी स्मारक के संरक्षण एवं सुरक्षा के लिए और पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त पुरा सामग्री अथवा कृलाकृतियॉ भारत के संदर्भ में।

इकाई – द्वितीय

पर्यावरण की आव यक सामग्री

मिट्टी की वस्तुऍ, पाशाण निर्मित पुराव ोश, धातु पराव ोश तॉबा, लोहा, चॉदी, सोना, पीतल, कॉच की वस्तुऍ, सीसा, हड्डी, हॉथीदान्त, काश्ठ, कागज, भोजपत्र एवं कपड़ा आदि का परिरक्षण।

इकाई – तृतीय

संरक्षण की सामग्रह और नियम अथवा प्रायोगिक नियम

पत्थर – वर्गीकरण, पत्थर के स्रोत, खदानें, चयन, वि ोश वर्णन, चिनाई (जुड़ाई) के प्रकार, जोड़ने की तकनीकि और महत्वपूर्ण बिन्दु

ईंट – प्रकार, भट्ठे, ईंट निर्माण सामग्री का मिश्रण, ईंट के निर्माणीकरण की वि ोशताऍ, ईंट का प्रयोग, संरक्षित पुरास्थल पर जुड़ाई, बिछाना (बिछाने की विधि)

लकड़ी – लकड़ी की संरचना, लकड़ी का दुश्प्रभाव और मरम्मत, इमारतों में प्रयोग लकड़ी का क्षय एवं उपचार अथवा मरम्मत, लकडी का क्षय अथवा नश्ट का कारण एवं उपचार

इकाई – चतुर्थ

नींव मचान और निर्माण सदस्थ

नींव – नींव के प्रकार, नींव को दुश्प्रभाव डालने वाले कारण, नींव की मजबूती और क्षमता

मचान – मचान के प्रकार, अस्थाई सहारा, सहारा का केन्द्रीयकरण, लकडी इत्यादि के लिए गहरे गढ्ढे का उत्खनन, ढलान प्रदाय करना, ढलान निर्माण, मचान निर्माण में सुरक्षा की व्यवस्था

निर्माण सदस्थ – निर्माणीकरण से लोग संकेत पिन (बिन्दु, जगह) से लगाना (प्रमुख केन्द्र बिन्दुओं को) जड़ना कार्य, प्लास्टर कार्य और फ र्ा एवं टाइल्स का कार्य।

इकाई – पंचम

कालानुक्रम – कालक्रम का महत्व, कालानुक्रम की प्रमुख विधियॉ, सापेक्ष विधि – स्तरीकरण, प्रारूपकी, भू–आकृति विज्ञान, पुराजैविकी, फ्लोरीन – वि लेशण, पुरापुतराज – वि लेशण, निरपेक्षी विधि – वृक्ष–वलय, रेडियो कार्बन प्रणाली, पोटैि ायम – आर्गन विधि, ऊश्मा दीप्ति

हुई नवविकसित विधियॉ

प्लीस्टीसीन का सामान्य वातावरण

Paper - V

प्रायोगिक प्रि ाक्षण (मौखिकी परीक्षा)
Practical Training Viva-Voce

Paper - VI

मौखिकी परीक्षा
Viva-Voce

विशय वि ोशज्ञ के मार्गद र्ान उपरान्त अंतिम रूप प्रदान किया जावेगा।

नृवं ाीय विज्ञान पुरातत्व

उद्दे य–

इकाई – प्रथम

परिचय – नृविज्ञान और कार्यक्षेत्र

इकाई – द्वितीय

संस्कृति – अर्थ और संस्कृति की अवधारणा

– संस्कृति का विकास

– विकासवाद

– प्रसारवाद

– कार्यवाद

– परिणाम

इकाई – तृतीय

सभ्यता और उसकी सांस्कृतिक प्रक्रिया

– सभ्यता का अर्थ और परिभाशाएँ

– संस्कृति और सभ्यता के बीच अन्तर

– संस्कृतकरण और पि चमीकरण

– पवित्र परिसा

इकाई – चतुर्थ

भारत की जनजातियॉ

– भारतीय जनजातियों की परिभाशा और वर्गीकरण

– प्रमुख भारतीय जनजातियॉ – खासी, गारो, संथाल, गोंड, बिरहोर, धारू, भोकसा, जौनसार, खस, भील, बैगा, अगारिया, कोल और टोड़ा

– अर्थव्यवस्था – ि ाकार, इकट्ठा करना, खेती, प ुचारण और स्मिथी उत्पादन, वितरण और उपभोग, सामाजिक व्यवस्था और संस्थाएँ

इकाई – पंचम

नृविज्ञान – उद्दे य, अध्ययन के तरीके – अवलोकन, साक्षात्कार, अनुसूची

Paper - V

प्रायोगिक प्रि ाक्षण (मौखिकी परीक्षा)
Practical Training Viva-Voce

Paper - VI

मौखिकी परीक्षा
Viva-Voce

विशय वि ोशज्ञ के मार्गद र्शन उपरान्त अंतिम रूप प्रदान किया जावेगा।